भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1180

दिनांक 03 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिये जाने के लिए

तिजारती माल निर्यात

1180. श्री यदुवीर वाडियार:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तिजारती माल निर्यात को 2.55 प्रतिशत से बढ़ाकर 35.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए उठाए गए कदमों का क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) आयात में 5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 56.2 बिलियन डॉलर होने से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;
(ग) वैश्विक आर्थिक उतार-चढ़ाव के बीच देश के निर्यात क्षेत्रों में विविधता लाने और उन्हें सुदृढ़ करने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है, और
(घ) विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में व्यापार घाटे को कम करने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध रणनीतिक पहल का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का पण्यवस्तु निर्यात अक्टूबर 2023 में 33.4 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर अक्टूबर 2024 में 39.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है, जो 17.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। अक्टूबर 2024 में गैर-पेट्रोलियम पण्यवस्तु निर्यात 34.6 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 27.5 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जो 25.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है। भारत के निर्यात संवर्धन प्रयास विविध और बहुआयामी हैं, जो निर्यात को बढ़ाने और विविधता लाने के लिए विभिन्न केंद्रित क्षेत्रों और बाजारों, विशेष रूप से महत्वपूर्ण देशों को लक्षित करते हैं। वित्तीय प्रोत्साहनों/स्कीमों, व्यापार करारों, व्यापार अवसंरचना के विकास और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से व्यापार प्रक्रियाओं को लगातार आसान बनाने के साथ-साथ नई और गतिशील विदेश व्यापार नीति के जरिए सरकार का समर्थन, एक अधिक मजबूत निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और भारत को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एक मजबूत भागीदार के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखता है। क्षेत्रवार व्यापारिक निर्यात विवरण निम्नलिखित वेब लिंक https://www.commerce.gov.in/trade-statistics/latest-trade-figures/ पर उपलब्ध हैं।

(ख) अक्टूबर 2024 में भारत का पण्यवस्तु आयात 66.3 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 63.9 बिलियन अमरीकी डॉलर था, इसमें 3.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह समझने की जरूरत है कि आयात में महत्वपूर्ण इनपुट भी शामिल होते हैं, जो घरेलू विनिर्माण और निर्यात में योगदान करते

हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता जा रहा है क्योंकि भारत तेजी से वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) के साथ एकीकृत हो रहा है। उदाहरण के लिए, पूंजीगत वस्तुएं और कच्चा तेल घरेलू विनिर्माण में महत्वपूर्ण इनपुट है और निर्यात में भी योगदान करते हैं। इसके अलावा, भारत की आर्थिक वृद्धि जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सर्वोच्च है, ने भी आयात की बढ़ोत्तरी में योगदान दिया है। वाणिज्य विभाग आयात के मुद्दे पर समय-समय पर और विभिन्न स्तरों पर संबंधित मंत्रालयों/विभागों तथा अन्य हितधारकों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करता रहा है तथा उन्हें निम्नलिखित व्यापक रणनीति के बारे में जागरूक करता रहा है: (i) घरेलू आपूर्ति की कठिनाइयों को दूर करना तथा घरेलू उत्पादन के अवसरों/क्षमता में वृद्धि पर विचार करना; (ii) व्यापार उपचार विकल्पों का समय पर उपयोग; (iii) गुणवत्ता नियंत्रण; (iv) उद्गम के नियमों को लागू करना; (v) टैरिफ उपाय/इनवर्टेड शुल्क सुधार; तथा (vi) आयात वृद्धि की मॉनिटरिंग। इसके अलावा, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया तथा पीएलआई स्कीमों जैसी सरकार की सक्रिय पहलों के माध्यम से, देश का लक्ष्य अपने उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए अपनी आयात निर्भरता को कम करना है।

(ग) निर्यात विविधीकरण के लिए कई रणनीतिक पहलें की गई हैं, जिनका फोकस प्रतिस्पर्धात्मकता और लचीलापन, पारंपरिक निर्यात उत्पादों और बाजारों पर निर्भरता कम करने और उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों और सेवाओं का दोहन करने पर है। मजबूत सरकारी नीतियों, मजबूत व्यापार करारों, बेहतर व्यापार अवसंरचना के विकास और संधारणीयता पर जोर देकर, भारत अपने वैश्विक निर्यात पदचिह्नों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने में कामयाब रहा है। पण्यवस्तु निर्यात के संदर्भ में, भारत ने वैश्विक निर्यात में अपनी हिस्सेदारी 2013 में 1.66% से 2023 में 1.81% तक लगातार बढ़ाई है। वाणिज्यिक सेवाओं के व्यापार में, भारत वैश्विक पर अग्रणी देश बना हुआ है, जिसकी विश्व निर्यात में हिस्सेदारी 2013 में 3.08% से बढ़कर 2023 में 4.31% हो गई है। यह वृद्धि आईटी सेवाओं, डिजिटल नवाचार और ज्ञान-संचालित क्षेत्रों में देश की विशेषज्ञता का प्रमाण है। साथ में, ये रुझान वैश्विक व्यापार में भारत के गतिशील योगदान को रेखांकित करते हैं, इसके आर्थिक सुधारों की सफलता को प्रदर्शित करते हैं और देश को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एक प्रमुख भागीदार रूप में स्थापित करते हैं।

(घ) भारत का पण्यवस्तु व्यापार घाटा 2022-23 में 264.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर 2023-24 में 241.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। सेवाओं के मामले में, भारत का व्यापार अधिशेष 2022-23 में 143.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 162.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। भारत का कुल व्यापार घाटा 2022-23 में 121.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर 2023-24 में 78.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। यह हाल के वर्षों में व्यापार संतुलन में सुधार की प्रवृत्ति को दर्शाता है। इसके अलावा, 8 नवंबर, 2024 को विदेशी मुद्रा भंडार 675.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। मौजूदा स्तर पर, भंडार 11 महीने से अधिक के आयात को कवर करता है (स्रोत: आरबीआई बुलेटिन, नवंबर 2024)। भारत निर्यात के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने उत्पाद के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए डब्ल्यूटीओ सहित बहुपक्षीय और द्विपक्षीय दोनों मंचों में शामिल हो रहा है, साथ ही यह भी मानता है कि डब्ल्यूटीओ को केंद्र में रखते हुए एक नियम-आधारित, गैर-भेदभावपूर्ण, निष्पक्ष, खुला, समावेशी, न्यायसंगत और पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली समावेशी विकास के लिए अपरिहार्य है।

***